MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
(A State University under Haryana Act No. XXV of 1975)
NAAC Accredited 'A+' Grade
Email: hod.economics@mdurohtak.ac.in
DEPARTMENT OF ECONOMICS

No. Eco./2022/F-26/302 **Dated: 16.06.2022**

प्रेस विज्ञप्ति

विचारों के व्यापक प्रसार की प्रक्रिया पर विस्तार-व्याख्यान 20 जून को

रोहतक, 16 मई

"ऑन डिसेमिनेटिंग आइडियाज इन सोसाइटी" यानि 'समाज में विचारों के व्यापक प्रसार की प्रक्रिया' विषय पर सोमवार 20 जून को ठीक 11 बजे एक विस्तार व्याख्यान वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार श्री टी. के. अरुण स्वराज भवन के सेमिनार हाल में देंगे।"

विद्वानों, वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की कारीगरों, किसानों और श्रमिकों के साथ सहज वार्तालाप की इच्छा एवं क्षमता और उससे ज्ञान, कला, तकनीकी इत्यादि के विकास के बल पर ही औद्योगिक क्रांतियां हुई हैं। मगर ऐसा भी होता है कि शोध सामाजिक यथार्थ से कटी-कटी सी होकर रह जाती है। और तो और, बेहतरीन शोध भी लोगों तक पहुँचने के बजाय किताबों में कैद होकर रह जाती है। समाज में विचारों की उत्पत्ति और प्रसार की प्रक्रियाओं में हो रहे परिवर्तनों के प्रति जागरूक होना हर विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षाविद और सुधीजन की आवश्यकता होती है। इसलिए समाज में विचारों के व्यापक प्रसार की प्रक्रिया का ज्ञान बढ़ाना शिक्षा, शोध एवं समाज के हित में जरुरी है। विचारशीलता और सहज संवाद की संस्कृति विश्वविधालय की अवधारणा को परिभाषित करती है तथा सामाजिक विकास, शांति और समरसता का संवर्धन करती है।

विचारों की दुनिया और संचार-कौशल में अंतर्निहित प्रक्रियाओं से परिचय विद्यार्थियों की शिक्षा, सॉफ्ट-स्किल और व्यक्तित्व विकास के लिए परम आवश्यक है। गौरतलब है कि शिक्षण और शोध के साथ ही साथ उच्च शिक्षण संस्थाओं का तीसरा महत्वपूर्ण काम ज्ञान का समाज में विस्तार करना भी है। विस्तार-व्याख्यान ऐसी गतिविधियों में से एक है जिनके माध्यम से विद्वानों और सर्वजन के बीच महत्वपूर्ण विषयों पर वार्तालाप और अंतर-सम्बन्ध के जरिये करुणामय व्यावहारिक बुद्धि का विकास होता है।

विस्तार-व्याख्यान के लिए आमंत्रित वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार श्री टी. के. अरुण इकोनॉमिक टाइम्स के ओपिनियन और रेजिडेंट संपादक रह चुके हैं। वे प्रख्यात विद्वान और बहुसर्जक लेखक के रूप में जाने जाते है। श्री अरुण के लगभग आधा घंटे के व्याख्यान के पश्चात खुला विचार-विमर्श होगा। कार्यक्रम ठीक 11 बजे शुरू होगा।

विस्तार-व्याख्यान एवं विमर्श में रूचि रखने वाले सभी जन सादर आमंत्रित है। समय-पालन और समय-बद्धता की परम्परा के अनुसार इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों से निवेदन किया गया है कि पंद्रह मिनट पहले पौने ग्यारह बजे स्थान-ग्रहण कर लें।

16.6.22

हिम्मत सिंह रतनू,
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग